VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS M.N. 03 DEC 2020 No. 3 RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1416)

Name of Candidate	Girdhari lal Meena		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	330810
Center	MN, DELHI	Date	01/12/2020

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **FOURTEEN** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें चौदह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. (a) Highlighting the significance of ethical work culture, suggest ways by which it can be imbibed in an organization. (150 words) 10

नैतिक कार्य संस्कृति के महत्त्व को रेखांकित करते हुए, उन उपायों का सुझाव दीजिए जिनके माध्यम से इसे किसी संगठन में आत्मसात किया जा सकता है।

नैतिक कार्य संस्कृति से तात्पर्य वह कार्य संस्कृति हैं जहाँ किसी नैतिक उद्देश्य की प्राप्ति के लिए नैतिक साधनों का पालन किया जाता हैं।

उदाहरण ① किसी कर विभाग में भ्रष्टाचार के बजाय ईमानदारी व सत्यनिष्ठा को बढ़ावा मिलता हो।

महत्त्व

① नैतिक कार्य संस्कृति के कारण संगठन में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा व शुचिता का समावेश होता हैं।

② सत्यनिष्ठा समझौते को बढ़ावा मिलता हैं तथा इस कारण सरकारी धन का दुरुपयोग रुकता हैं।

③ लोक सेवा में नैतिक कार्य संस्कृति से पारदर्शिता, जवाबदेहिता का समावेश होता है जो नैतिक शासन के लिए आवश्यक है।

④ नैतिक कार्य संस्कृति से दक्षता, स्त्री-पुरुष समानता के साथ-साथ करुणा, दया व समानुभूति जैसे गुणों का भी विकास होता हैं।

⑤ नैतिक कार्य संस्कृति से समाज में भी नैतिकता को बढ़ावा मिलता है।

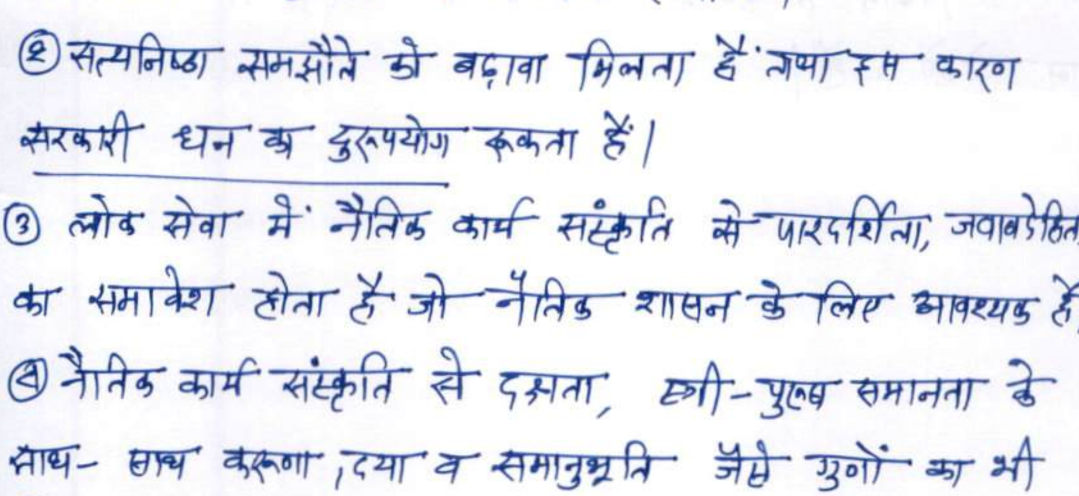

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

संगठन में आत्मसात करना

① द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग के अनुसार सूचना के प्रकटीकरण व सिटीजन चार्टर से नैतिक कार्य संस्कृति का विकास होता है।

② चयन करते समय नैतिक मूल्यों यथा - सत्यनिष्ठा व ईमानदारी को वरीयता।

③ कार्यशाला के आयोजन तथा नैतिक आचरण वाले व्यक्तियों का सम्मान।

④ निरंतर प्रशिक्षण के माध्यम से लोकसेवा, जनकेन्द्रितता व समानुभूति का विकास करना।

निष्कर्षतः नैतिक कार्य संस्कृति, नैतिक मूल्यों के विकास व उनके स्थायित्व का कारण तथा परिणाम दोनों हैं।

1. **(b)** Upholding probity in governance is not only contingent on values of an individual but also the processes of the institution. Discuss. **(150 words) 10**

शासन में सत्यनिष्ठा बनाए रखना न केवल किसी व्यक्ति के मूल्यों पर बल्कि संस्था की प्रक्रियाओं पर भी निर्भर करता है। विवेचना कीजिए।

शासन में सत्यनिष्ठा का तात्पर्य है कि नैतिक साधन व नैतिक साध्य के लिए, ईमानदारी, उत्तरदायित्व तथा जवाबदेहिता जैसे गुणों को बनाये रखना।

उदाहरण ⇒ मिड-डे-मिल की पूरी प्रक्रिया के दौरान आपूर्ति श्रृंखला में ईमानदारी बनाये रखना।

शासन में सत्यनिष्ठा के लिए व्यक्ति के मूल्यों के साथ-साथ संस्था की प्रक्रियाओं का भी उचित होना आवश्यक है।

① व्यक्तिगत नैतिक मूल्यों से व्यक्ति स्वयं के कार्य में ईमानदारी व सत्यनिष्ठा का समावेश कर सकता है।

② व्यक्तिगत नैतिकता से उत्तरदायित्व तथा जवाबदेहिता सामने आती हैं जो संगठन की नैतिकता के लिए आवश्यक हैं।

③ नोलन समिति के अनुसार शासन में नैतिकता के लिए व्यक्ति में नैतिक मूल्य यथा- खुलापन, सत्यनिष्ठा व ईमानदारी आवश्यक है।

संस्था की प्रक्रियाओं का नैतिक होना

① संस्था का प्रभाव लोकसेवकों पर अधिक होता है। इस कारण संस्था की प्रक्रिया में खुलापन, उत्तरदायित्व का होना आवश्यक हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② संस्था की प्रक्रियाओं से नैतिक कार्यसंस्कृति, समानुभूति व अन्य नैतिक मूल्यों का विकास होता है तथा इससे शासन में सत्यनिष्ठा को बढ़ावा मिलता है।

③ भारतीय लोक सेवा में सत्यनिष्ठा के लिए संस्था की सत्यनिष्ठा सर्वोपरि है क्योंकि उससे व्यक्ति की सत्यनिष्ठा को सुनिश्चित किया जा सकता है।

शासन प्रक्रिया में सत्यनिष्ठा

व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा

→ नैतिक शासन

शासन में सत्यनिष्ठा के लिए शासन प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा के साथ-साथ व्यक्ति की सत्यनिष्ठा भी आवश्यक है। (जेफ बेजोस)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) The nature of a business's operations has a major influence on the ethical issues with which it must contend. Giving examples, discuss how business ethics is crucial in today's world. (150 words) 10

व्यवसाय के परिचालन की प्रकृति का नैतिक मुद्दों पर बड़ा प्रभाव पड़ता है जबकि इन दोनों को द्वंद्वरत होना चाहिए। सोदाहरण, विवेचना कीजिए कि आज के समय में व्यावसायिक नैतिकता कैसे महत्वपूर्ण है।

व्यवसायिक नैतिकता से तात्पर्य है कि व्यवसाय में नैतिक मूल्यों का समावेश हो तथा साधन व साध्य की पवित्रता का ध्यान रखा जाये।

वर्तमान में जब लाभ की प्रवृत्ति तथा गलाकाट प्रतियोगिता विद्यमान हैं, इस समय व्यावसायिक नैतिकता आवश्यक हैं।

व्यावसायिक नैतिकता की आवश्यकता

① प्रतिस्पर्धा में अनैतिक साधनों का प्रयोग न किया जाये, इसलिए भी व्यावसायिक नैतिकता की आवश्यकता है। वॉलमार्ट पर व्यावसायिक नैतिकता के उल्लंघन का आरोप लगता है।

② गाँधीजी के अनुसार बिना नैतिकता के व्यापार पाप हैं। इसलिए व्यापार में नैतिकता आवश्यक है।

③ व्यावसायिक नैतिकता स्वस्थ प्रतियोगिता तथा कानूनों के पालन को बढ़ावा देती हैं।

④ व्यावसायिक नैतिकता सतत विकास तथा पर्यावरणीय नैतिकता को बढ़ावा देती हैं।

⑤ व्यावसायिक नैतिकता उपभोक्ता अधिकारों के आधार पर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मूल अधिकारों को बढ़ावा देती है।

⑥ अमेरिका द्वारा सिफलिस रोग के परीक्षण व्यावसायिक नैतिकता के खिलाफ थे। इस कारण नस्लभेद, सामाजिक-आर्थिक विषमता के दुरूपयोग को रोकने के लिए भी व्यावसायिक नैतिकता आवश्यक है।

⑦ कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम, अस्पतालों द्वारा अधिक शुल्क लेने के लिए भी व्यावसायिक नैतिकता आवश्यक है।

⑧ वर्तमान में कैंसर की दवा निर्माताओं द्वारा अधिक मूल्य वसूलने तथा आगामी समय में कोविड-19 टीके के वितरण तथा पहुँच के लिए भी व्यावसायिक नैतिकता आवश्यक है।

व्यावसायिक नैतिकता नैतिक मूल्यों को आगे लाती है तथा स्वस्थ प्रतियोगिता के आधार पर नैतिक मुद्दों का समाधान करती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** An honest bureaucrat can be put to inconvenience but the dishonest one is more likely to suffer in the long run. Comment. **(150 words) 10**

एक ईमानदार नौकरशाह को असुविधा हो सकती है किन्तु एक बेईमान नौकरशाह को दीर्घकाल में हानि होने की अधिक संभावना होती है। टिप्पणी कीजिए।

ईमानदारी सिविल सेवा का आधारभूत मूल्य है जो अपने कर्तव्यों के पालन तथा आर्थिक अनियमितता न करने से सम्बन्धित है।

वर्तमान सिविल सेवा के कई उदाहरण देखे जा सकते हैं जो ईमानदारी व बेईमान नौकरशाहों के बारे में बताते हैं।

ईमानदार नौकरशाह

① हो सकता है कि बेईमान नौकरशाहों द्वारा बहिष्कृत किया जाये।
② बेईमान नौकरशाहों की तरह सुविधा का अभाव।
③ ईमानदार नौकरशाहों को पदस्थापना के आधार पर अल्पकालिक परेशानियों का सामना करना होता है।
④ लेकिन दीर्घकाल में ईमानदारी के कारण सामाजिक प्रतिष्ठा, स्वीकरण तथा एक अलग छवि का निर्माण होता है।

उदाहरण टी. एन. शेषण

बेईमान नौकरशाह

① अल्पकाल में विभिन्न सुविधाओं का लाभ लेना।
② अधिक प्रतिष्ठा प्राप्त करना।
③ अल्पकाल में बेईमानी के लाभ अधिक नज़र आते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

④ लेकिन दीर्घकाल में बेईमान की हानि ही अधिक है।

- ईमानदार नौकरशाह
  - अल्पकाल
    - कार्यालय में असुविधा
    - निजी जीवन में असुविधा
  - दीर्घकाल
    - ईमानदारी के गुण का निखार
    - सामाजिक प्रतिष्ठा
    - ईमानदारी के अन्य लाभ
- बेईमान नौकरशाह
  - अल्पकाल
    - आर्थिक वित्त व लालच
  - दीर्घकाल
    - कानून का शिकंजा
    - सजा
    - नैतिक द्वन्द

इस कारण शासन में नैतिकता

(IInd ARC) रिपोर्ट के अनुसार दीर्घकाल में ईमानदारी अधिक लाभदाय होती है तथा शासन में नैतिकता का होना आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) The notion of an ethical foreign policy downplays the realities of international politics. Critically discuss. **(150 words) 10**

एक नैतिकतापूर्ण विदेश नीति की धारणा अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की वास्तविकताओं को कम करके आंकती है। आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

नैतिकतापूर्ण विदेश नीति से तात्पर्य हैं कि विदेश नीति का संचालन नैतिक सिद्धांतों के आधार पर हो तथा मानवीय हितों के लिए विदेश नीति का संचालन हो।

नैतिकतापूर्ण विदेश नीति के तत्व:
- गरीब देशों की सहायता
- शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व तथा शांति का समर्थन
- उपनिवेशवाद का विरोध
- संसाधनों का प्रयोग विश्व हित के लिए
- संकटकाल में देशों की सहायता

इस नीति के दोष

① वर्तमान में संरक्षणवाद के आधार पर राष्ट्रीय हितों को पूरा किया जा सकता हैं।

② मैकेयावली के अनुसार विदेश नीति व नैतिकता का कोई संबंध नहीं हैं।

③ इस नीति के कारण अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की वास्तविकताओं तथा संघर्ष की सम्भावना को नकार दिया जाता हैं।

④ नैतिकतापूर्ण विदेश नीति के कारण कोई प्रभाव नहीं होता क्योंकि विश्व राजनीति केवल राष्ट्रीय हितों के आधार पर संचालित होती हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

समीक्षा

① खुशहाल पड़ोसी ही हमारी शांति का आधार हैं।

② गाँधीजी के अनुसार हमें विश्व हित को प्रमुखता से आगे रखना चाहिए।

③ नैतिकतापूर्ण विदेश नीति से विश्व शांति तथा समावेशी तथा सतत विकास को बढ़ावा मिलता हैं।

④ नैतिकतापूर्ण विदेश नीति के कारण ही शरणार्थियों का सहयोग तथा भारत द्वारा अफ्रीका को विकास के लिए सहयोग किया जा रहा हैं।

~~विश्व शांति तथा विश्व शांति के~~ व्यवस्था के सफल संचालन तथा दीर्घकालीन हितों के लिए नैतिकतापूर्ण विदेश नीति वर्तमान अनिश्चितताओं के समय में और अधिक प्रासंगिक हो गई हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** Conscience can neither be silent nor delayed as a source of ethical guidance. Elaborate. **(150 words) 10**

नैतिक मार्गदर्शन के स्रोत के रूप में अंत:करण न तो मौन रह सकता है और न ही विलंब कर सकता है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

अत: करण बिना स्त्रोत का ज्ञान हैं जो व्यक्ति को नैतिक चिंता तथा नैतिक दुविधाओं के समय कम अनैतिक विकल्प को चुनने मे सहायता करती हैं। (बटलर)

नैतिक मार्गदर्शन के स्त्रोत के रूप में अन्त: करण द्वारा तीव्र निर्णय लिया जाता हैं। प्रत्येक स्थिति में अंतरात्मा द्वारा एक निर्णय लिया जाता हैं। अंतरात्मा हमारे चरित्र का अमूर्त रूप हैं जो मौन नहीं रह सकती।

① अंतरात्मा के द्वारा हमारे नैतिक सिद्धांतों की अभिव्यक्ति होती हैं।

② अंतरात्मा कानून उपस्थिति न होने की दशा में तीव्र निर्णय प्रदान करती है।

उदाहरण ① कोई विधवा महिला जो बिना कागजात के सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ लेने आयी हो तथा वह योग्य हो इस स्थिति में अतंरात्मा निर्णय प्रदान करती हैं।

② डॉक्टर का नैतिक मार्गदर्शन उस समय अंतरात्मा के द्वारा ही किया जाता है जब माँ एवं नवजात शिशु में से किसी एक को

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

बचाना हो।

③ इस तरह अंतरात्मा त्वरित तथा सामान्यतः कम अनैतिक निर्णय प्रदान करती हैं। इसके लिए अंतरात्मा को प्रबुद्ध तथा त्रुटिरहित होना चाहिए। अंतरात्मा का विकास मानवीय मूल्यों के विकास के साथ ही होता हैं।

④ अंतरात्मा मौन नहीं रह सकती क्योंकि यह निर्णयन प्रक्रिया में शामिल होती हैं। यह निर्णय में विलम्ब भी नहीं करती हैं।

अधिक नैतिक तथा सही निर्णय लेने के लिए स्वार्थरहित तथा प्रबुद्ध अंतरात्मा का प्रयोग नैतिक मार्गदर्शन के साधन के रूप में किया जाना चाहिए।

4. Given below are quotations of moral thinkers/philosophers. Bring out what they mean to you in the present context:

नीचे नैतिक विचारकों/दार्शनिकों के उद्धरण दिए गए हैं। वर्तमान संदर्भ में आपके लिए उनके क्या अर्थ हैं, स्पष्ट कीजिए:

(a) To educate a person in the mind but not in morals is to educate a menace to society. — Theodore Roosevelt **(150 words) 10**

किसी व्यक्ति को बौद्धिक रूप से शिक्षित करना, किंतु नैतिक रूप से नहीं, समाज के लिए एक खतरे को शिक्षित करना है। - थियोडोर रूज़वेल्ट

नैतिक शिक्षा का महत्व नैतिक निर्णय तथा स्वयं के हित के बजाय मानवीय हितों को वरीयता देने के लिए है।

बौद्धिक रूप से शिक्षित

- अधिक लाभकारी निर्णय
- लालच व बेईमानी का प्रयोग भी कर सकता है।
- कानूनों का उल्लंघन सम्भव
- नैतिक सिद्धांतों के ~~उल्लंघन~~ उल्लंघन में कम दुविधा
- इस तरह संगठन को अधिक नुकसान होगा।

नैतिक रूप से शिक्षा के अभाव के कारण ही भारत में कई घोटाले यथा - कोयला घोटाला, हर्षद मेहता घोटाला सामने आये हैं। व्यक्ति बौद्धिक रूप से शिक्षित होता है तो अधिक दक्षता से कार्य कर सकता है तथा इसका लाभ संगठन को मिलता है।

यदि नैतिक मूल्यों का अभाव है तो सत्यनिष्ठा व ईमानदारी के बजाय बेईमानी, लालच की भावना, मानवीय हितों के बजाय स्वयं के हितों को अधिक वरीयता दी जायेगी।

उदाहरण ⇒ वर्तमान में मानव में बौद्धिक शक्ति है लेकिन पर्यावरण संरक्षण के नैतिक मूल्यों का अभाव होने से पर्यावरण का अतिदोहन हुआ। इस कारण जलवायु परिवर्तन की समस्या सामने आयी।

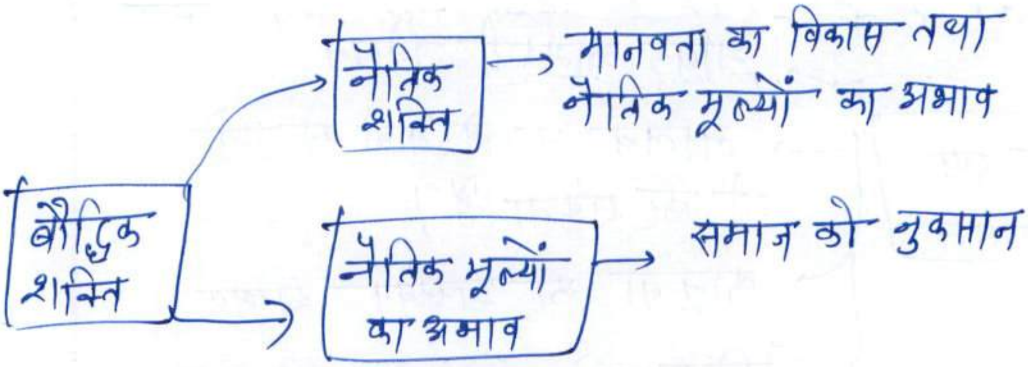

यह स्थिति सबसे खतरनाक होती है जब किसी में बौद्धिक योग्यता हो लेकिन सत्यनिष्ठा का अभाव हो। (जेफ बेजोस)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** Right is right even if no one is doing it; wrong is wrong even if everyone is doing it. — Saint Augustine **(150 words) 10**

सही सही है, भले ही कोई भी ऐसा न कर रहा हो; गलत गलत है भले ही हर कोई ऐसा कर रहा हो। - सेंट ऑगस्टीन

उचित-अनुचित, सही-गलत तथा नैतिक-अनैतिक संबंधी चर्चा व नैतिक चिंताओं की विद्यमानता सामान्यतः हर मामले में रहती हैं।

सही सही हैं (प्रत्येक परिस्थिति में)

① सही कार्य सही होता हैं तथा इसका परिणाम भी नैतिक होता हैं चाहे किसी द्वारा इसका पालन किया जा रहा हो या नहीं।

⇒ मानवीय प्रेम, अहिंसा तथा परोपकार के गुण हर समय सही होते हैं; चाहे लोगों द्वारा इनका पालन किया जाता हो या नहीं।

⇒ यद्यपि कुछ दशाओं में सही कार्य सही नहीं होता
↳ ऐसी व्यक्ति की उधार ली हुई बंदूक वापस लौटाना जो अब पागल हो गया है।

गलत गलत हैं। (प्रत्येक परिस्थिति में)

① गलत कार्य का परिणाम गलत ही होता हैं।

② गलत कार्य तात्कालिक लाभ दे सकता हैं लेकिन दीर्घकाल में इससे नुकसान ही होता हैं।

③ झूठ बोलना, हिंसा व स्वार्थ की भावना गलत हैं चाहे हर कोई इसका पालन कर रहा हो।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) सारी कक्षा द्वारा नकल करने पर भी नकल करना एक गलत कार्य ही रहेगा।

कुछ मामलों में गलत भी सही हो सकता है।
↳ अपराधियों को किसी निर्दोष व्यक्ति की सही दिशा न बताना क्योंकि उसकी जान को खतरा है।

वस्तुतः डिआन्टोलाजी धारा के अनुसार सही व गलत का निर्धारण परिणाम के बजाय सही तथा गलत के नियम के आधार पर किया जाना चाहिए जो प्रत्येक स्थिति में अपरिवर्तनीय है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) "Children are great imitators, so give them something great to imitate." In this context, discuss the importance of role models in inculcating values in children. (150 words) 10

"बच्चे उत्कृष्ट अनुकरण करने वाले होते हैं, इसलिए उन्हें अनुकरण करने के लिए कुछ बहुत उत्कृष्ट दीजिए।" इस संदर्भ, में बच्चों में मूल्यों को अन्तःस्थापित करने में अनुकरणीय व्यक्तियों (रोल मॉडल्स) के महत्व की विवेचना कीजिए।

किसी व्यक्ति की अभिवृत्तियों का निर्माण परिवार, समाज व विभिन्न रोल मॉडल्स की भूमिकाओं के आधार पर होता हैं।

बच्चे में मूल्यों के विकास के लिए रोल मॉडल्स की पर्याप्त भूमिका होती हैं-

① रोल मॉडल बच्चे की अभिवृत्ति व मूल्यों का निर्धारण करता हैं।

② बच्चा रोल मॉडल के आधार पर कार्य करता हैं। अतः उसमें भी वहीं नैतिक मूल्य शामिल हो जाते हैं।

③ गाँधीजी को रोल मॉडल मानने वाला सत्याग्रह, अहिंसा को लेकर सकारात्मक अभिवृत्ति रखेगा तो बी. अम्बेडकर को रोल मॉडल मानने वाला सामाजिक व लैंगिक समानता की बात करेगा।

④ रोल मॉडल के कारण बच्चे की क्रियाएें भी नियंत्रित होती हैं।

⑤ बच्चे अनुकरण की आदत से ही सीखते हैं। गाली वाली संस्कृति में रहने पर यह सम्भव है कि वह ~~सम्भव~~ भी गाली दे।

⑥ इसलिए बच्चों में नैतिक मूल्यों के विकास के लिए ऐसा रोल मॉडल हो जो पारस्परिक सहयोग, सहिष्णुता तथा समानुभूति के गुणों से युक्त हो। रोल मॉडल का नैतिक होना आवश्यक है।

⑦ रोल मॉडल के कारण ही बच्चे में भावनात्मक बुद्धिमता, संघर्ष की क्षमता व सामाजिक मूल्यों तथा कानून के पालन की अभिवृत्ति का निर्माण होता है।

⑧ रोल मॉडल के महत्व के लिए उचित समाजीकरण, शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों की आवश्यकता है।

नैतिक बच्चे, नैतिक समाज व नैतिक राष्ट्र के विकास के लिए एक देश के पास नैतिक व विविधताओं से युक्त रोल मॉडल्स की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** The Covid-19 pandemic has brought with itself an environment of uncertainties and hardships. In this context, discuss the significance of emotional intelligence in dealing with the situation. **(150 words) 10**

कोविड-19 महामारी अपने साथ अनिश्चितताओं और कठिनाइयों से भरा वातावरण लेकर आई है। इस संदर्भ में, इस स्थिति से निपटने में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के महत्व की विवेचना कीजिए।

भावनात्मक बुद्धिमता से तात्पर्य स्वयं की भावनाओं को समझने तथा उनका प्रबंध करने के साथ-साथ दूसरे की भावनाओं को समझने व उसका प्रबंधन करने से है।

डेनियल गोलमेन एवं भावनात्मक बुद्धिमता
- स्वयं सतर्कता
- स्वयं नियमन
- स्वयं मोटिवेशन
- सोशल स्किल
- समानुभूति

कोविड-19 के कारण अनिश्चता व कठिनाई
1. भय का माहौल
2. मानसिक अलगाव
3. रोजगार की अनिश्चतता
4. भोजन व आवास की उपलब्धता नहीं
5. मूल स्थान तक पहुँचने में कठिनाई
6. अर्थव्यवस्था व समाज को लेकर अनिश्चितता
7. विभिन्न प्रकार के विभेद

भावनात्मक बुद्धिमता का महत्व

(1) राष्ट्र के नेतृत्व के लिए आवश्यक है कि व्यवस्था में लोगों का विश्वास कम न हो इसलिए भावनात्मक बुद्धिमता आवश्यक है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② प्रशासन में भी भावनात्मक बुद्धिमता आवश्यक है ताकि स्वयं तथा सहयोगी दृढ़ता से कार्य कर सके तथा कठिनाईयों का सामना कर सके।

③ स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए भावनात्मक बुद्धिमता बहुत जरूरी है।

④ सामान्य लोगों के लिए भावनात्मक बुद्धिमता
→ मानसिक संतुलन बनाये रखना
→ कमजोर लोगों की सहायता
→ दीर्घकालिक हित के बारे में सोचकर कार्य करना।
→ अल्पकालिक कठिनाईयों का सामना करना।
→ संघर्ष क्षमता, दृढ़ता व जीवन के प्रति प्रतिबद्धता बनाये रखना।

इस तरह कठिन परिस्थितियों में भावनात्मक बुद्धिमता का महत्व एक व्यक्ति से लेकर वैश्विक संगठनों तथा मानवतावाद को बनाये रखने के लिए आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Bring out the role of social media in shaping one's moral and political attitude. **(150 words) 10**

किसी व्यक्ति की नैतिक और राजनीतिक अभिवृत्ति को आकार देने में सोशल मीडिया की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

वर्तमान ~~SM~~ 5G के युग मे सोशल मीडिया व्यक्ति की गतिविधियों से लेकर उसके नैतिक मूल्यों तथा राजनीतिक अभिवृत्ति का निर्धारण करता हैं।

राजनीतिक अभिवृत्ति किसी व्यक्ति की किसी दल, विचारधारा व नेता के प्रति नजरिये का निर्धारण करती हैं।

<u>सोशल मीडिया व नैतिक अभिवृत्ति</u>

① सोशल मीडिया के कारण नैतिक अभिवृत्तियों का दायरा विस्तारित हुआ है। केरल बाढ़ के समय मदद इसी का उदाहरण है।

② सोशल मीडिया के कारण व्यक्ति की पर्यावरणीय नैतिकता के साथ-साथ मानवतावाद को भी बढ़ावा मिला हैं।

③ कुछ मामलों मे सोशल मीडिया व्यक्ति की नैतिक अभिवृत्तियों को नकारात्मक रूप से भी प्रभावित करता है।

⇒ धार्मिक कट्टरता व मॉब लिंचिंग संबंधी अनैतिक अभिवृत्तियों के निर्माण मे सोशल मीडिया की प्रमुख भूमिका है।

<u>सोशल मीडिया व राजनीतिक अभिवृत्ति</u>

① सोशल मीडिया किसी व्यक्ति / नेता के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक अभिवृत्ति का निर्माण

करता हैं।

② वर्तमान मे दक्षिण पंथ तथा संरक्षणवाद के उदय में भी सोशल मीडिया की भी भूमिका हैं।

③ सोशल मीडिया के कारण अश्वेत व दलित राजनीति, महिला राजनीतिक अधिकारों संबंधी अभिवृत्तियों को भी आकार मिल रहा हैं।

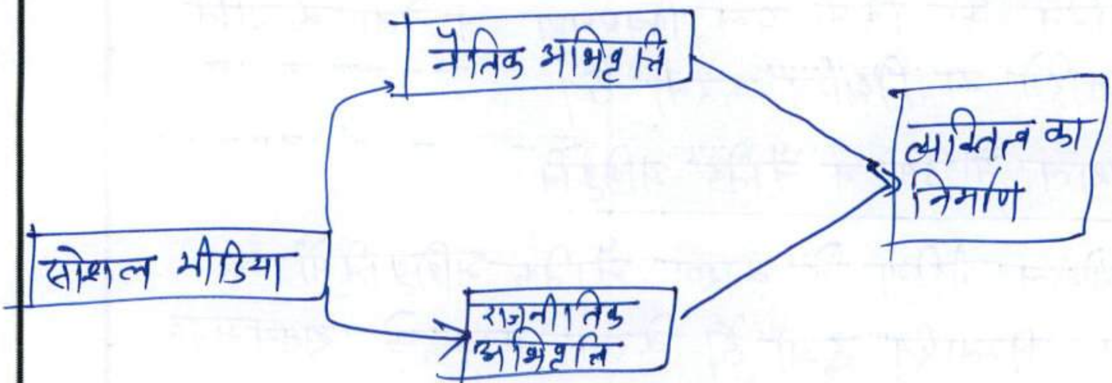

वर्तमान में सोशल मीडिया व्यक्ति की नैतिक व राजनीतिक अभिवृत्ति का निर्धारण कर रहा हैं लेकिन सोशल मीडिया का बुद्धिमतापूर्ण उपयोग की अभिवृत्ति का निर्माण हमें तथा समाज को मिलकर करना होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Environmental ethics is about the moral relationship of human beings to, and also the value and moral status of, the environment and its non-human contents. Elaborate. **(150 words) 10**

पर्यावरणीय नीतिशास्त्र पर्यावरण एवं उसकी गैर-मानवीय विषयवस्तु के मूल्य और नैतिक स्थिति के साथ ही उसके साथ मनुष्यों के नैतिक संबंध के विषय में भी है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

पर्यावरणीय नीतिशास्त्र व्यावहारिक नीतिशास्त्र की शाखा हैं जिसमें पर्यावरण - मानव संबंध, पर्यावरण संरक्षण तथा पर्यावरण की सततता के संबंध में अध्ययन किया जाता हैं।

पर्यावरणीय नीतिशास्त्र मानव-पर्यावरण संबंधों के साथ-साथ जीवों के अधिकारों के बारे में भी बताता हैं।

① पर्यावरणीय नीतिशास्त्र बताती हैं कि मानव व पर्यावरण का संबंध नैतिक हैं। पर्यावरण के अति दोहन से अनैतिकता सामने आती हैं। जलवायु परिवर्तन इसी अनैतिकता का परिणाम हैं।

② पर्यावरणीय नीतिशास्त्र अंतरपीढ़ीगत समता व अंतःपीढ़ीगत समता के आधार पर संबंधों को नैतिक स्वरूप प्रदान करती हैं।

③ पर्यावरणीय नीतिशास्त्र मानवीय संबंधों के साथ-साथ मूल्यों के बारे में भी बताती हैं। इन मूल्यों में शामिल हैं- दीर्घकालिक हित, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, एक दूसरे के अधिकारों का सम्मान, मानवतावादी दृष्टिकोण, परोपकार की भावना।

④ इसके साथ- साथ पर्यावरणीय नीतिशास्त्र गैर- मानवीय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जीवों के बारे में भी चर्चा करती हैं। एक कीट की भी पर्यावरण में अपनी उपयोगिता हैं। इस लिए उसका संरक्षण भी आवश्यक है।

⑤ इस तरह पर्यावरणीय नीतिशास्त्र जीवन का एक दृष्टिकोण हैं जो मैं की भावना के बजाय हम के आधार पर कार्य करता हैं। प्राचीन भारतीय साहित्य में पर्यावरणीय नीतिशास्त्र की पर्याप्त चर्चा हैं। राजा शिवि द्वारा अपने शरीर का एक पक्षी के दान तथा महात्मा बुद्ध द्वारा सारस की रक्षा, इसी दृष्टिकोण पर आधारित हैं।

पर्यावरणीय नीतिशास्त्र मानवता के साथ-साथ संतुलित आर्थिक विकास तथा मानवीय सभ्यता के स्थायित्व व दीर्घजीविता के लिए आवश्यक है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. The Citizens' Charter cannot be an end in itself; it is rather a means to an end. Discuss. (150 words) 10

नागरिक चार्टर अपने आप में साध्य नहीं हो सकता; बल्कि यह एक साध्य का साधन है। विवेचना कीजिए।

द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग के अनुसार सिटीजन चार्टर संगठन में उत्तरदायित्व, जवाबदेहिता व पारदर्शिता का अधिकार आधारित दृष्टिकोण हैं।

सिटीजन चार्टर के माध्यम से किसी संगठन की सेवाओं, ग्राहकों के अधिकार तथा कर्तव्यों के साथ-साथ शिकायत निवारण के बारे में भी बताया जाता हैं।

नागरिक चार्टर साध्य नहीं

① नागरिक चार्टर आरटीआई तथा अन्य कानूनों की तरह व्यवस्था के सफल संचालन का माध्यम हैं।

② सिटीजन चार्टर नागरिकों व संगठन के अधिकारों व कर्तव्यों के बारे में बताता हैं। इस तरह यह केवल साधन हैं।

③ सिटीजन चार्टर संगठन में उचित कार्य संस्कृति के निर्माण, जवाबदेहिता व उत्तरदायित्व के समावेश का एक साधन हैं।

④ सिटीजन चार्टर प्रशासन में नैतिक शासन प्रदान करने का एक जरिया हैं न कि यह स्वयं में ही शासन हैं।

साध्यों की प्राप्ति

① सिटीजन चार्टर से उचित कार्य संस्कृति का निर्माण व कार्य की औचित्य सिद्धि का निर्धारण होता है।

② मूलभूत मूल्यों यथा → ईमानदारी, सत्यनिष्ठता, समर्पण की प्राप्ति

③ कार्यात्मक मूल्यों यथा → जवाबदेहिता, सुशासन, उत्तरदायित्व प्रतिबद्धता की प्राप्ति।

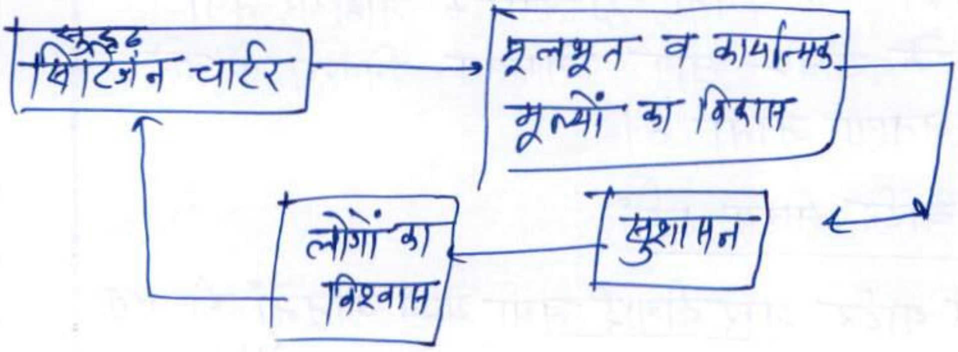

सिटीजन चार्टर को कार्यप्रणाली का भाग बनाकर प्रशासन को जन केन्द्रित, सेवा उन्मुख तथा नैतिक बनाया जा सकता है।

(द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. You are the District Magistrate of district, which has recently witnessed rapid transmission of the Covid-19 pandemic. The district has high population density and a sizeable chunk of migrant workers. There has been a shutdown of business activities and the workers are yearning to go back to their native places. The administration has announced a strict lockdown and divided the district into containment zones. There is a severe shortage of people, material and money in the administration and fear and panic is seen to be gripping them.

(a) What are the qualities of a civil servant that are revealed in such testing times?

(b) What measures would you suggest for:

(i) Dealing with the current issue.

(ii) Making the district administration more resilient to respond to such a critical situation in the future. **(20)**

हाल ही में, आप कोविड-19 महामारी के तीव्र संचरण से पीड़ित एक जिले के जिलाधिकारी हैं। जिले में जनसंख्या घनत्व अधिक है और काफी संख्या में प्रवासी श्रमिक हैं। व्यावसायिक गतिविधियाँ बंद हो गई हैं और श्रमिक अपने मूल स्थानों पर वापस लौटना चाहते हैं। प्रशासन ने सख्त लॉकडाउन की घोषणा की है और जिले को संरोधन क्षेत्रों (कन्टेनमेंट ज़ोन्स) में बांट दिया है। प्रशासन में लोगों, सामग्री और धन की भारी कमी है और उनमें भय व्याप्त होता हुआ प्रतीत हो रहा है।

(a) ऐसी परीक्षा की घड़ी में एक सिविल सेवक में प्रकट होने वाले गुण कौन-से हैं?

(b) आप किन उपायों का सुझाव देंगे:

(i) वर्तमान मुद्दे से निपटना।

(ii) भविष्य में ऐसी गंभीर स्थिति के प्रति अनुक्रिया देने के लिए जिला प्रशासन को और अधिक लचीला बनाना।

कोविड-19 महामारी के समय श्रमिकों के प्रवास, भोजन तथा आवास की असुरक्षा संबंधी कई मामले देखे गए। यहाँ जिला प्रशासन को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

उपरोक्त परिदृश्य में जिले की जनसंख्या घनत्व अधिक है तथा व्यावसायिक गतिविधियाँ बंद हो गई हैं। इस कारण कई समस्याएं सामने आयी हैं। जिला कन्टेनमेंट जोन्स के अंदर बाँटा गया हैं।

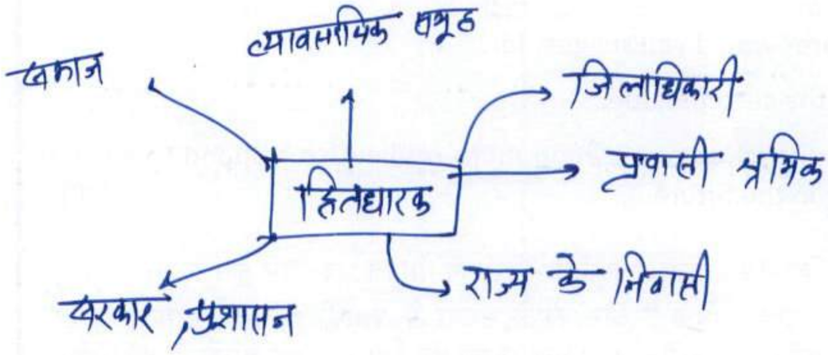

(A) सिविल सेवक में प्रकट होने वाले गुण

① भावनात्मक बुद्धिमता
→ स्वयं की भावनाओं को समझना व नियंत्रण
→ प्रवासी श्रमिकों की भावना व समस्याओं को समझना

② समानुभूति → प्रवासी श्रमिकों के दु:खों को समझना
→ कोई स्थायी हल के लिए प्रयास करना
→ स्वयं को समानुभूतिक तनाव की स्थिति से दूर रखना।

③ दृढ़ता → संसाधनों की कमी के समय भी पूरी दक्षता के साथ कार्य करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) अनुनय → प्रवासी श्रमिकों को इस समय मूल स्थानों पर लौटने से होने वाले नुकसानों के बारे में बताना

(5) इस समय समर्पण, सेवा भावना, प्रतिबद्धता जैसे सिविल सेवा गुणों की अत्यंत आवश्यकता है।

(B) उपाय

(I) वर्तमान मुद्दे से निपटना

(1) सर्वप्रथम लॉकडाउन का सख्ती से पालन किया जायेगा ताकि सभी लोगों के हितों को सुरक्षित रखा जा सके।

(2) जिस क्षेत्र में संक्रमण अधिक है वहाँ पर्याप्त व्यवस्था करना।

(3) प्रवासियों को समझाना की मूल स्थान पर लौटने से संक्रमण की सम्भावना अधिक हैं। साथ ही प्रवासियों को सुरक्षित मूल स्थानों तक पहुँचाने के लिए नियमों का पालन करते हुए व्यवस्था करना।

(4) स्वयंसेवी संस्थाओं तथा गैर सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर प्रवासियों के लिए आवास की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करना।

(5) लोगों का भय दूर करने के लिए सोशल मीडिया का प्रयोग करना तथा भावनात्मक बुद्धिमत्ता के प्रयोग से उनका आत्मविश्वास बनाये रखना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(II) जिला प्रशासन को और अधिक लचीला बनाना

(I) प्रशासन का उचित प्रशिक्षण ताकि ऐसी स्थिति का सामना किया जा सके।

(II) जागरूकता ~~अथवा~~ कार्यक्रमों के माध्यम से तथा कार्यशालाओं का आयोजन कर प्रशासन व जनता के बीच संवाद की कमी को दूर करना।

(III) आपदा प्रवण क्षेत्रों के लिए अलग उपाय तथा पूर्व चेतावनी तथा प्रभावी अनुक्रिया व्यवस्था।

(IV) स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ सहयोग ताकि लोगों की स्थिति को जान सके तथा बॉटम अप दृष्टिकोण के आधार पर कार्य किया जा सके।

(V) नैतिक प्रशासन व ई-शासन

कोविड-19 जैसी गम्भीर स्थिति का सामना करने के लिए सिविल सेवा मूल्यों की नितांत आवश्यकता है तथा ऐसी स्थिति के लिए अल्पकालिक व दीर्घकालिक योजना निर्माण व प्रयास आवश्यक हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. In recent times, the country witnessed protests based on opposition to some steps taken by the government. Whereas, mostly these were peaceful protests, at a few places these activities turned violent leading to destruction of public property. In some places government arrested few of the protesters and imposed heavy fines on them for the destruction of the property. In case they could not pay, their private property was confiscated by the government to pay for the damage done to the public property. In addition to this, some governments published the photographs, names and addresses of those accused of vandalism during protests at various locations.

(a) What are the issues of public importance at stake in this case?

(b) Are their any ethical or legal principles at play here which may be conflicting?

(c) What should be the principles guiding a democratic state in such circumstances? **(20)**

हाल के दिनों में, देश में सरकार द्वारा उठाए गए कुछ कदमों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन देखा गया। जहाँ, अधिकतर विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण थे, वहीं कुछ स्थानों पर हिंसक गतिविधियां हुई, जिसके कारण सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ। कुछ स्थानों पर सरकार ने कुछ प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया और संपत्ति के नुकसान के लिए उन पर भारी अर्थदंड लगाया। यदि वे भुगतान नहीं कर पाए, तो सरकार द्वारा सार्वजनिक संपत्ति को हुई हानि के लिए भुगतान करने हेतु उनकी निजी संपत्ति को जब्त कर लिया गया। इसके अतिरिक्त कुछ सरकारों ने विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन के दौरान गुंडागर्दी के आरोपी लोगों की तस्वीर, नाम और पते प्रकाशित किए।

(a) इस प्रकरण में दांव पर लगे सार्वजनिक महत्व के मुद्दे क्या हैं?

(b) क्या यहां परस्पर विरोधी हो सकने वाले नीतिशास्त्रीय या विधिक सिद्धांतों की भूमिका है?

सरकारी नीतियों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन तथा निरायुध सम्मेलन का अधिकार नागरिकों का मूल अधिकार हैं लेकिन इसका दुरुपयोग होने से कई नैतिक मुद्दे सामने आते हैं।

उपरोक्त प्रसंग मे सरकारी नीतियों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन हैं तो कुछ स्थानों पर हिंसक गतिविधियाँ भी हुई हैं। इस कारण सार्वजनिक सम्पति को नुकसान भी हुआ हैं। प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर उनपर अर्थदण्ड आरोपित करने के साथ-साथ आरोपियों की तस्वीरें, नाम व पते प्रकाशित करने से कई समस्याऐं भी सामने आयी हैं।

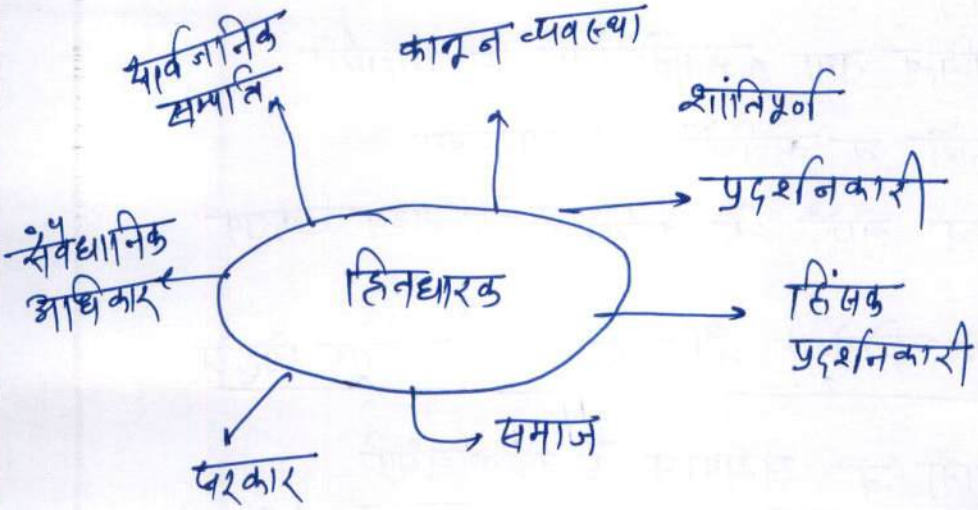

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Ⓐ सार्वजनिक महत्व के मुद्दे

① संवैधानिक भावना का उल्लंघन
→ सार्वजनिक सम्पत्ति का नुकसान, मूल कर्तव्यों के खिलाफ है।
→ साथ ही सार्वजनिक सम्पत्ति (नुकसान) अधिनियम से संबंधित मुद्दे भी विद्यमान हैं।

② विरोध प्रदर्शन का अधिकार तथा सरकारी नीतियाँ

③ सार्वजनिक सम्पत्ति के नुकसान की भरपाई, निजी सम्पत्ति से करना।

④ आरोपी लोगों की तस्वीर, नाम व पते प्रकाशित करने से गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार व संवैधानिक नैतिकता।

⑤ उत्तरदायित्व तथा जवाबदेहिता का निर्धारण

⑥ अधिकारों व कर्तव्यों में समन्वय

⑦ सरकार व लोगों के अधिकारों के मध्य टकराव

Ⓑ परस्पर विरोधी नीतिशास्त्रीय या विधिक सिद्धांत

① निष्पक्षता व पक्षपात के मध्य संघर्ष
→ सरकारी कानूनों का क्रियान्वयन सभी के लिए समान होना चाहिए। किसी विशेष वर्ग के लिए कानूनों का दुरुपयोग न हो।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② अधिकार व कर्तव्य में संरक्षण

↳ व्यक्ति को अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों का भी पालन किया जाना चाहिए। गाँधीजी द्वारा कर्तव्य के बिना अधिकारों को अनैतिक माना।

③ कानून व नैतिकता का ~~संरक्षण~~ टकराव

यहाँ आरोपियों की तस्वीर व पता सार्वजनिक करना कानून का भाग हो सकता है लेकिन नैतिकता कानूनों से भी सर्वोपरि है। नैतिकता के दृष्टिकोण से आरोप सिद्ध होने पर तस्वीर लगाना कम अनैतिक होगा।

④ यहाँ कानून की मूल भावना, विधि के समक्ष समता तथा विधियों की नैतिकता संबंधी सिद्धांतों की भूमिका देखी जा सकती है।

दीर्घकालिक परिदृश्य
- → व्यक्तियों द्वारा अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी पालन
- → संवैधानिक नैतिकता
- → विधि व नीति में समन्वय
- → कानून का समान संरक्षण
- → सार्वजनिक सम्पत्ति का संरक्षण, शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार तथा गरिमापूर्ण जीवन निर्वाह के अधिकार का सरकार द्वारा पालन।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकार द्वारा सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा के साथ-साथ मूल अधिकारों की भी रक्षा करनी चाहिए तथा निष्पक्षता व नैतिक दृष्टिकोण से युक्त होकर कार्यवाही करनी चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. The global toll of the COVID-19 pandemic is enormous: more than a half-million lives lost, hundreds of millions out of work, and trillions of dollars of wealth destroyed. And the disease has by no means run its course. There is tremendous interest in the development of a vaccine, with more than a hundred initiatives under way around the world.

Even if one or more vaccines emerge that promise to make people less susceptible to COVID-19, the public-health problem will not be eliminated. But policymakers can avert some foreseeable problems by starting to address key questions about financing and distribution now.

In view of the above scenario, answer the following questions:

(a) Identify the different stakeholders involved in this scenario.

(b) Identify some of the ethical questions and issues that are likely to emerge as the vaccine becomes available.

(c) Who, in your opinion, should be amongst the first recipients of the vaccine? Give reasons for your answer. **(20)**

वैश्विक स्तर पर कोविड-19 महामारी से प्रभावित लोगों की संख्या अत्यधिक है: 5 लाख से अधिक मौतें हुई हैं, करोड़ों लोगों के रोज़गार चले गए और अरबों डॉलर की धन संपत्ति नष्ट हो गई है। और अभी भी इस रोग का निर्बाध प्रसार जारी है। टीके के विकास में वैश्विक स्तर पर अत्यधिक रुचि प्रदर्शित की जा रही है। इस दिशा में सम्पूर्ण विश्व में सौ से अधिक पहलें चल रही हैं।

यहां तक कि यदि लोगों को कोविड-19 के प्रति कम सुभेद्य बनाने की संभावना वाले एक या अधिक टीके उभरकर सामने आते हैं, तो भी सार्वजनिक स्वास्थ्य की समस्या समाप्त नहीं होगी। लेकिन नीति-निर्माता अभी वित्तपोषण और वितरण के संबंध में महत्वपूर्ण प्रश्नों का समाधान आरंभ करके कुछ पूर्वानुमेय समस्याओं को घटित होने से रोक सकते हैं।

उपर्युक्त परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) इस परिदृश्य में सम्मिलित विभिन्न हितधारकों की पहचान कीजिए।

(b) टीका उपलब्ध होते ही उभर सकने वाले कुछ नैतिक प्रश्नों और मुद्दों की पहचान कीजिए।

(c) आपकी राय में टीके का पहला प्राप्तकर्ता किन्हें होना चाहिए? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए।

कोविड-19 जैसी महामारी के कारण स्वास्थ्य व्यवस्था, आपदा का प्रबंधन तथा सरकारी दृष्टिकोण को लेकर कई चुनौतियाँ तथा शिक्षाएं प्रदान की हैं तथा वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कोविड-19 का तीव्र संचरण जारी हैं तथा इससे जान व माल की हानि हुई हैं। वर्तमान में वैक्सीन व इसको लेकर सामने आया वैक्सीन राष्ट्रवाद भी नया मुद्दा हैं।

हितधारक	हित
① सामान्य लोग	→ जान व माल की सुरक्षा → स्वयं के अस्तित्व पर संशय → रोजगार व आजीविका संकट
② सरकारें	→ आर्थिक हित तथा अर्थव्यवस्था का संरक्षण → मानव संसाधन → वैक्सीन राष्ट्रवाद
③ समाज	→ महामारी प्रबंधन में नैतिकता का प्रबंधन → परस्पर सहयोग
④ मानवीय सभ्यता	→ वैश्वीकरण व परस्पर सहयोग → भविष्य का अस्तित्व
⑤ नीति निर्माता एवं टीके के लाभार्थी	→ नीति निर्माताओं के समक्ष नैतिक चिंता → टीका का लाभ सबसे पहले किसको मिले।

(B) टीका उपलब्ध होने पर आने वाले नैतिक प्रश्न व मुद्दे

(1) सबसे पहले टीके का प्रयोग किसके लिए किया जाये, इसको लेकर नैतिक दुविधा।
(2) टीके के वितरण में अमीर व गरीब का विभाजन
(3) अधिकांश टीकों का विकास अमीर देशों द्वारा किया जा रहा। इस कारण गरीब व तृतीय विश्व के देशों तक टीके की पहुँच।
(4) संरक्षणवाद v/s वैश्वीकरण
(5) वैक्सीन राष्ट्रवाद का मुद्दा।
(6) इस टीका वितरण की प्रक्रिया में विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा अन्य संस्थाओं की कल्याण आधारित भावना का परीक्षण।
(7) मानवीय सहयोग, समानुभूति, परस्पर साहचर्य व शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के मूल्यों की परीक्षा।
(8) मांग व आपूर्ति के मध्य अंतर का समाधान।

(C) मेरी राय में टीके का पहला प्राप्तकर्ता स्वास्थ्य कर्मचारी होना चाहिए -
(1) इनके द्वारा अपने हित के बजाय करुणा व दया का प्रदर्शन करते हुए लोगों के हितों के बारे में सोचा।
(2) स्वास्थ्य कर्मचारियों को टीके की उपलब्धता से

इनकी मृत्यु दर को कम किया जा सकेगा जो स्वास्थ्य व्यवस्था व दीर्घकालिक हित के लिए आवश्यक है।

③ स्वास्थ्य व्यवस्था के सफल संचालन तथा स्वास्थ्य कर्मचारियों का आत्मविश्वास व व्यवस्था में विश्वास बनाये रखने के लिए भी आवश्यक है।

दीर्घकालिक रणनीति

- → टीके का पर्याप्त मात्रा में विकास
- → टीके की अंतिम व्यक्ति तक पहुँच
- → विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा गरीबों के हितों के लिए कार्य
- → भारत द्वारा तृतीय विश्व का नेतृत्व करना तथा उनको सहयोग देना।
- → विश्व सहयोग के मानवीय मूल्य को आगे बढ़ाना।

कोविड-19 महामारी ने हमारी नैतिकता का परीक्षण किया है। अतः टीके के विकास के पश्चात व्यापक व दीर्घकालिक हित के लिए विश्व बंधुत्व की भावना के आधार पर सहयोग किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You are the head of a PSU, which has recently been entrusted with construction of a new airport in a metropolitan city. However, the area in the immediate neighbourhood of the proposed airport runways have large tracts of land occupied by dense slum settlements. If the airport is to be constructed, approximately 75,000 slum families will have to be humanly rehabilitated. The sheer scale of this rehabilitation, almost similar to an urban renewal, has thrown up many challenges. Foremost among these is identifying an appropriate location for rehabilitation of slum dwellers. You are faced with the following options in this regard, each of which have their own merits and demerits:

(a) There is no reasonably priced land in close vicinity of the present slums. A vacant parcel of land that you have identified close-by will have to be developed afresh along with all civic amenities, and this will entail huge cost for the PSU.

(b) There is another location, which is very far-off where a factory once stood. All the required civic amenities are in place here and the factory can be converted into appropriate houses at little cost to the PSU. However, there will be loss of livelihood on relocation to this area because of its distance from the current slum location.

(c) There is yet another site, which can be used for rehabilitation at reasonable cost. Neither is it too far nor will it entail huge monetary cost, but exercising this option involves cutting a large number of trees, which may adversely affect the ecology of the area. This is likely to face resistance from environmental groups.

Given the above options and the associated challenges, which of these sites will you choose for rehabilitation of slum dwellers? Provide adequate justification for your choice. **(20)**

आप एक सार्वजनिक उपक्रम (PSU) के प्रमुख हैं, जिसे हाल ही में एक महानगर में एक नए विमान पत्तन या हवाई अड्डे के निर्माण का काम सौंपा गया है। परन्तु, प्रस्तावित विमान पत्तन के ठीक पड़ोस के क्षेत्र में भूमि के बड़े भाग पर घनी मलिन बस्तियों का कब्जा है। यदि विमान पत्तन का निर्माण करना है तो लगभग 75,000 मलिन बस्ती के परिवारों का मानवीय तरीके से पुनर्वास करना होगा। इतने बड़े पैमाने पर पुनर्वास लगभग एक शहरी पुनर्स्थापन के समान है, जो कई चुनौतियों को खड़ा करता है। इसमें सबसे पहली चुनौती है। मलिन बस्ती वासियों के पुनर्वास के लिए उपयुक्त स्थान की पहचान करना। इस संबंध में आपके सामने निम्न विकल्प हैं, जिनमें प्रत्येक की अपनी योग्यता और अयोग्यता है:

(a) वर्तमान मलिन बस्तियों के निकट सानिध्य में कोई उचित कीमत की भूमि नहीं है। एक खाली भू-खंड जिसकी आपने निकट के क्षेत्र ही में पहचान की है, उसे सभी नागरिक सुविधाओं के साथ नए सिरे से विकसित करना होगा। सार्वजनिक उपक्रम (PSU) हेतु इसकी लागत अत्यधिक होगी।

(b) बहुत दूर स्थित एक और स्थान है जहां कभी एक फैक्ट्री स्थापित थी। यहां सभी आवश्यक नागरिक सुविधाएं मौजूद हैं और फैक्ट्री को उपयुक्त मकानों में परिवर्तित किया जा सकता है जिसमें सार्वजनिक उपक्रम (PSU) को कम लागत आएगी। परन्तु, इस क्षेत्र में पुनर्स्थापन से आजीविका या रोजगार का नुकसान होगा क्योंकि यह मलिन बस्तियों के वर्तमान स्थान से बहुत दूर है।

(c) एक अन्य स्थान भी है जिसका उपयोग उचित लागत पर पुनर्वास के लिये किया जा सकता है। न तो यह बहुत दूर है और न ही इसमें अत्यधिक धन की आवश्यकता है, लेकिन इस विकल्प के प्रयोग में बड़ी संख्या में वृक्षों को काटना पड़ेगा जो क्षेत्र की पारिस्थितकी को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। इसमें पर्यावरण समूहों के प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है।

उपर्युक्त विकल्पों और संबंधित चुनौतियों के परिपेक्ष्य में मलिन बस्ती वासियों के पुनर्वास के लिए आप इनमें से किस स्थान का चयन करेंगे? अपने चयन के समर्थन में यथोचित प्रमाण प्रस्तुत कीजिए।

विकास प्रक्रिया तथा इससे जुड़े विभिन्न वर्गों के मध्य हितों का संघर्ष देखा जा सकता हैं। विकास दीर्घकालिक लाभ को ध्यान में रखकर किया जाता हैं तथा इस कारण कुछ तात्कालिक हानि भी होती हैं।

इस परिदृश्य में हवाई हड्डे के विकास के लिए 75,000 मलिन बस्ती परिवारों का पुनर्वास किया जाना आवश्यक हैं तथा इससे कई समस्यायें सामने आयेगी।

हितधारक
- → सार्वजनिक उपक्रम
- → महानगर
- → मलिन बस्ती
- → राज्य

प्रथम विकल्प

पक्ष
- निकट क्षेत्र में ही निवास
- मलिन बस्तियों को नई सुविधाएं
- हवाई अड्डे का विकास हो सकेगा।

विपक्ष
- लागत अधिक
- मलिन बस्तियों द्वारा इस विकल्प का विरोध किया जा सकता है।

द्वितीय विकल्प

पक्ष
- अधिकांश अवसंरचना पहले से ही मौजूद
- PSU की लागत कम
- पहले से फैक्ट्री स्थापित होने के सकारात्मक लाभ

विपक्ष
- वर्तमान रोजगार से वंचित होना
- अधिक दूर स्थित
- मलिन बस्तियों द्वारा विरोध किया जा सकता है।

तृतीय विकल्प

पक्ष
- उचित लागत व पुनर्वास
- अधिक दूर नहीं
- रोजगार की स्थिति बनी रहेगी।

विपक्ष
- वृक्षों को काटना
- पर्यावरण समूहों का विरोध

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मैं द्वितीय विकल्प का चयन करूँगा जो मेरी दृष्टि में कई मामलों में सकारात्मक हैं तथा जिसके नकारात्मक प्रभाव भी कम होंगे।

① यहाँ पहले से एक फैक्ट्री स्थापित थी। इस कारण शुरुआत से अवसंरचना निर्माण का कार्य नहीं करना होगा।

② पहले से विकसित अवसंरचना के कारण हवाई अड्डे के कार्य को शुरु करने तथा पर्यावरण में भी अधिक समय नहीं लगेगा।

③ PSU की आर्थिक लागत भी कम होगी जो भावी लाभ व परियोजना व्यवहार्यता की दृष्टि से आवश्यक हैं।

④ रोजगार की समस्या का समाधान निम्न आधार पर किया जा सकता है-

Ⓐ वर्तमान निवास स्थान तथा रोजगार स्थल के बीच , PSU द्वारा किसी परिवहन व्यवस्था का संचालन

Ⓑ PSU द्वारा अपनी सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) की भावना से नया कौशल प्रदान करना तथा रोजगार के नये अवसरों का सृजन किया जा सकता हैं।

Ⓒ इसके साथ ही परिवहन व्यवस्था का संचालन तुलनात्मक रूप से कम हानिकारक तथा दीर्घकालिक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

तीनों के लिए आवश्यक हैं।
(4) धीरे - धीरे मलिन बस्तियों के रोजगार स्थल को ही, पुनर्वास स्थल की तरफ ले जाना, जिससे रोजगार व विकास के संकुल का निर्माण हो सकेगा।
(5) इस विकल्प के चयन से वनोन्मूलन से भी बचा जा सकेगा क्योंकि वर्तमान ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के समय में "कल के लिए वन" आवश्यक है। वनोन्मूलन के पश्चात प्रतिपूरक वनीकरण का विकल्प व्यवहार्य तथा सतत नहीं है।

इस तरह पर्यावरण संरक्षण, सुरक्षित पुनर्वास तथा आर्थिक लागत को नियंत्रण में रखने के लिए द्वितीय विकल्प का चयन एक उचित निर्णय साबित होगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. You are an Indian Forest Service Officer posted in a division which falls in the coastal regulation zone and contains multiple wildlife sanctuaries. Recently, the State government has brought up a proposal of a new food processing park in your division. Under the proposal, around 175 square kilometers of forest land will be acquired as per the law. The developers of the project claim the various socio-economic benefits it can provide to the people in the area. Due to this a sizeable chunk of trees will be uprooted. There are studies which suggest that such initiatives have a long-term impact on wildlife and also leads to human-wildlife conflict. Some residents living in the periphery of the forest have supported this move in hope of employment opportunities. However, traditional dwellers of the forests have protested against this move. The government has constituted a committee to frame guidelines for sustainable operation of this project. The committee has asked for your suggestions in this regard.

(a) Identify the principles and values that would guide your suggestions in this regard.

(b) What course of action should be taken in order to balance the social and environmental needs in this case? **(20)**

आप भारतीय वन सेवा के एक अफसर हैं और ऐसे मंडल या डिवीज़न में पदस्थापित हैं जो तटवर्ती विनियमन क्षेत्र में आता है और जिसमें कई वन्यजीव अभयारण्य हैं। हाल ही में, राज्य सरकार द्वारा आपके मंडल या डिवीजन में एक नए खाद्य प्रसंस्करण पार्क की स्थापना प्रस्तावित की गयी है। इस प्रस्ताव के अंतर्गत लगभग 175 वर्ग किलोमीटर वन भूमि के विधिक अधिग्रहण की आवश्यकता पड़ेगी। परियोजना के विकासकर्ताओं (डेवलपर्स) ने इसके विभिन्न सामाजिक-आर्थिक लाभों का दावा किया है जो इस क्षेत्र के लोगों को उपलब्ध कराया जा सकता है। इसके कारण वृक्षों के एक बड़े हिस्से को जड़ से हटाना पड़ेगा। ऐसे अध्ययन हैं जिनमें यह बताया गया है कि ऐसी पहलों से वन्यजीवन पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है, इसके अतिरिक्त यह मनुष्य-वन्यजीव संघर्ष को उत्पन्न करती हैं। वन की बाह्य परिधि पर रहने वाले कुछ निवासियों ने रोजगार अवसरों की उम्मीद में इस प्रस्ताव का समर्थन किया है। परन्तु, वनों के पारंपरिक निवासियों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। सरकार ने इस परियोजना के संधारणीय संचालन के दिशा-निर्देशों को निर्धारित करने के लिए एक समिति का गठन किया है। समिति ने इस संबंध में आपसे सुझाव मांगे हैं।

(a) इस संबंध में उन सिद्धांतो और मूल्यों को निर्धारित कीजिए जो आपके सुझावों का मार्गदर्शन करेंगे।

(b) इस मामले में सामाजिक और पर्यावरणीय आवश्यकताओं में संतुलन स्थापित करने के लिए क्या कार्रवाई करनी चाहिए?

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकास तथा पर्यावरण संरक्षण के मध्य द्वन्द्व का मुद्दा भारत के सामने उपस्थित रहा है। विकास प्रेरित विस्थापन मानव - पशु संघर्ष के कारण भारत के सामने कई पर्यावरणीय समस्याएं उपस्थित हैं।

यहाँ भी खाद्य प्रसंस्करण पार्क की स्थापना के सामाजिक - आर्थिक लाभों, परम्परागत निवासियों व अन्य व्यक्तियों के हितों के मध्य संघर्ष तथा पर्यावास व पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा विद्यमान है।

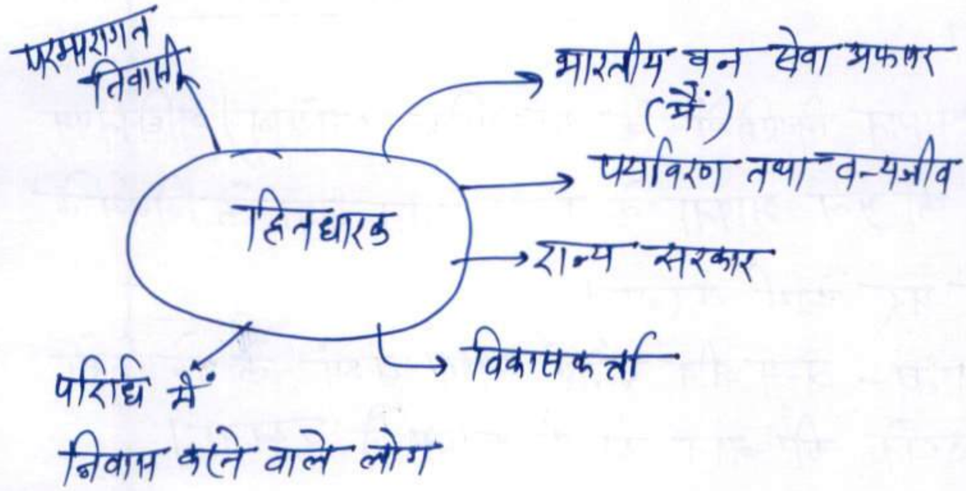

समिति को सुझाव देते समय कई सिद्धांत तथा मूल्य मेरे निर्णयों को प्रभावित करेंगे।

① पर्यावरण तथा विकास के मध्य संतुलन स्थापित करने वाला सिद्धांत।

② सतत विकास मूल्य

③ वन सेवा के कार्य नियम तथा नैतिक सिद्धांत

④ परम्परागत निवासियों के अधिकारों का संरक्षण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

⑤ सभी हितधारकों के हितों को ध्यान मे रखकर एक समावेशी निर्णय लिया जाये।

⑥ समानुभूति, करूणा तथा मानव-पशु सह अस्तित्व के नैतिक मूल्य।

⑦ अधिक नैतिकता से युक्त पक्ष का समर्थन।

⑧ अंतरात्मा के सिद्धांत का प्रयोग

Ⓑ सामाजिक व पर्यावरणीय आवश्यकताओं मे संतुलन

① सर्वप्रथम परियोजना का पर्यावरणीय प्रभाव आकलन किया जाये।

② परम्परागत निवासियों के वन अधिकार (संरक्षण) अधिनियम, 2006 की मूल भावना के तहत ग्राम सभा के निर्णय के आधार पर कार्य करना।

③ मानव - वन्य जीव संघर्ष तथा वृक्षों के बड़े हिस्से को हटाने की बात को भी ध्यान मे रखना।

④ बाह्य परिधि मे निवास कर रहे लोगों के आर्थिक हितों के मध्य संतुलन भी आवश्यक है।

⑤ इसके लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन व विधिक अनुमति के निर्णय के आधार पर कार्य किया जायेगा।

⑥ मानव - पशु संघर्ष को रोकने के लिए सुरक्षा की उचित व्यवस्था की जा सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(7) प्रतिपूरक वनीकरण अधिनियम के आधार पर काटे गये वृक्षों की जगह अन्य क्षेत्र में वन क्षेत्र का प्रसार।

(8) विभिन्न हितधारकों को लेकर एक समिति का निर्माण तथा किसी उचित निष्कर्ष तक पहुँचना।

(9) यदि उस स्थान पर खाद्य प्रसंस्करण पार्क की स्थापना का निर्णय व्यवहार्य नहीं है तो किसी अन्य वैकल्पिक स्थान के बारे में सोचना जो बाह्य परिधि में रहने वाले लोगों को भी आजीविका प्रदान करे।

(10) जनजातियों के अधिकारों तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियमों का प्रमुखता से पालन किया जायेगा।

समस्या का समाधान सभी हितधारकों के मध्य समन्वय तथा दीर्घकालिक व पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य को ध्यान में रखकर किया जायेगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. The RTI Act, which became operational in 2005 empowers the Indian citizens to seek information from public authorities. This, in effect, makes the Government and its functionaries more accountable and responsible. However, it has faced resistance because of the entrenched bureaucratic culture and it is taking time to change the mindset of the people in the government to new realities in wake of the act. This has led to implementation issues and questions have also been raised against the effectiveness of the act in achieving its desired objectives. Apart from this, certain issues related to the information seeker have also been raised from time to time.

In view of the innumerable challenges answer the following:

(a) Explain the importance of a transparent government system in a democracy, like India.

(b) Elaborate on the challenges that the implementation of RTI has faced, in the context of information seeker (demand-side) as well as those entrusted to give information (supply-side).

(c) Discuss the role that such a legislation can be expected to play given the ground realities in our country. How can it be ensured that such legislations are effective in achieving their envisaged objectives? **(20)**

2005 में लागू RTI अधिनियम भारतीय नागरिकों को लोक प्राधिकारियों से सूचना मांगने का अधिकार प्रदान करता है। यह प्रभावी रूप से, सरकार और इसके पदाधिकारियों को अधिक उत्तरदायी और जिम्मेदार बनाता है। परन्तु, इसे मोर्चाबद्ध नौकरशाही संस्कृति के विरोध का सामना करना पड़ रहा है और इस कानून के मद्देनजर नई वास्तविकताओं के प्रति सरकार के लोगों की मानसिकता परिवर्तित होने में समय लग रहा है। इसके कारण कार्यान्वयन में समस्या आ रही है और इच्छित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए इस कानून की प्रभावकारिता पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसके अतिरिक्त, सूचना मांगने वाले से संबंधित कुछ मुद्दे या विवाद भी समय-समय पर उठते रहे हैं।

अनगिनत चुनौतियों को देखते हुए निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:

(a) भारत जैसे लोकतंत्र में एक पारदर्शी सरकारी तंत्र के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

(b) सूचना मांगने वाले (मांग-पक्ष) और जिन्हें सूचना देने का काम सौंपा गया है (आपूर्ति-पक्ष) उनके संदर्भ में RTI के कार्यान्वयन में जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, उनका विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।

(c) अपने देश की धरातलीय वास्तविकताओं को देखते हुए, उस भूमिका की चर्चा कीजिए जिसे इस तरह के कानून द्वारा निभाया जाना अपेक्षित है। यह कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है कि ऐसा कानून अपने उल्लिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने में प्रभावी हो?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सूचना का अधिकार अधिनियम गोपनीयता की संस्कृति से पारदर्शिता के उजाले की तरफ ले जाता है। सूचना का अधिकार अधिनियम नये युग का सूचक है।

(द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग)

सूचना का अधिकार अधिनियम पारदर्शिता, उत्तरदायित्व व जवाबदेहिता के लिए लाया गया था। लेकिन इसके उचित क्रियान्वयन के मार्ग में आपूर्ति व मांग पक्ष से संबंधित कई चुनौतियाँ व समस्याएँ हैं।

(A) पारदर्शी सरकारी तंत्र का महत्व

① पारदर्शी सरकारी तंत्र से शासन जनता के हित के लिए कार्य करता है।

② इस कारण प्रशासन में जवाबदेहिता व उत्तरदायित्व का निर्धारण होगा, इसका भारतीय प्रशासन में अभाव है।

③ पारदर्शी सरकारी तंत्र से जनता भी स्वयं का जुड़ाव प्रशासन से महसूस करेगी। इससे बॉटम अप दृष्टिकोण, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण तथा शासन में शुचिता को बढ़ावा मिलेगा।

④ पारदर्शी सरकारी तंत्र से सरकारी फण्ड का दुरुपयोग कम होगा जिससे संवैधानिक लक्ष्यों यथा सामाजिक-आर्थिक विषमता में कमी, कल्याणकारी राज्य की स्थापना हो सकेगी।

(B) कार्यान्वयन में चुनौतियाँ

माँग पक्ष

① माँग पक्ष मे सूचना के अधिकार अधिनियम के बारे में जानकारी व जागरूकता का अभाव हैं।
② आरटीआई अधिनियम का प्रयोग कुछ विशेष लोगों द्वारा स्वयं के स्वार्थ के लिए किया जाता हैं।
③ राष्ट्रीय सुरक्षा व राष्ट्रीय हितों के आधार पर सूचना प्रदान करने से मना किया जाता हैं।

आपूर्ति पक्ष

① आरटीआई को कार्यप्रणाली का भाग नहीं बनाया।
② सूचना को लेकर उत्तरदायित्व का अभाव
③ सूचना देने मे विवेक का अधिक प्रयोग।
④ तकनीक के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम नहीं

(C) वर्तमान मे प्रशासन मे पारदर्शिता को महत्व दिया जाता हैं तथा लालफीताशाही व भाई-भतीजावाद, वर्तमान मे भी प्रशासन की सच्चाई हैं। इसरी तरफ जनता मे जागरूकता का अभाव, कनेक्टिविटी में बाधा तथा प्रशासन - लोगों के जुड़ाव में बाधा के कारण जमीनी वास्तविकताऐं आरटीआई के क्रियान्वयन के समक्ष चुनौतियाँ प्रस्तुत कर रही हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आरटीआई की अपेक्षित भूमिका

① सूचना के स्वतः प्रकटीकरण को बढ़ावा।
② प्रशासन में उत्तरदायित्व व जवाबदेहिता का निर्धारण किया जाये।
③ प्रशासनिक दूरी (प्रशासन व जनता के बीच दूरी) कम हो।
④ सूचना असमितता की स्थिति समाप्त हो।
⑤ सूचना माँगना अधिकार हैं न कि प्रशासन द्वारा की गई कृपा।
⑥ इस तरह भारत में आरटीआई सार्वजनिक धन का संरक्षक, निधि का उचित उपयोग, गाँधीजी के सर्वोदय आधारित भावना का समर्थक व ~~अ~~ नैतिक शासन की स्थापना करने वाला हो।

उपाय

① इस तरह कानूनों के उद्देश्यों को लेकर जनता को जागरूक किया जाये।
② ई-शासन को बढ़ावा।
③ पारदर्शिता, जवाबदेहिता तथा उत्तरदायित्व का ~~निर्धारित~~ निर्धारण।
④ लोक सेवकों को कानूनों के पालन को लेकर उचित प्रशिक्षण।
⑤ कानून के उल्लंघन पर दण्ड के प्रावधान का उचित क्रियान्वयन।
⑥ शासन प्रक्रिया को नैतिक बनाना तथा इसमें स्वयंसेवी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

संस्थाओं को शामिल करना।

आरटीआई के मूल उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए मांग व आपूर्ति पक्ष संबंधी चुनौतियों को दूर कर, इस कानून को शासन प्रक्रिया का आवश्यक भाग बनाया जाना आवश्यक है।